नदी का जलस्तर उतरने पर मिले ताउ-भतीजे के शव

खेत में पाइप देखने गए थे, तभी बढ़ गया पानी

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 31 जुलाई। श्योपुर के आमलदा गांव में बुधवार शाम को राजू यादव और उनके 13 साल के भतीजे शिवम की पार्वती नदी के उफनते पानी में डूबकर मौत हो गई। गुरुवार सुबह दोनों के शव खेत में एक-दूसरे से लिपटे हुए मिले। बुधवार शाम को राजू यादव और शिवम अपने खेत की तरफ गए थे। खेत में रखे पाइप और अन्य सामान को बचाने के लिए वे घर से निकले थे लेकिन रात तक वे वापस नहीं लौटे। पहले तो परिजनों ने सोचा कि दोनों खेत पर ही रुक गए होंगे, लेकिन जब पूरी रात कोई खबर नहीं मिली और संपर्क भी नहीं हो पाया, तो चिंता बढ़ गई। रातभर गांव के लोग और परिजन उन्हें ढूंढते रहे लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह जब पार्वती नदी का जलस्तर थोड़ा कम हुआ, तो लोग फिर से खेत की तरफ पहुंचे। वहां दोनों के शव खेत के किनारे पानी में अक दूसरे से लिपटे मिले। इससे साफ झलकता है कि शायद ताऊ ने भतीजे को बचाने की कोशिश की होगी, लेकिन खुद भी पानी की चपेट में आ गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। लोगों का कहना है कि राजू अपने परिवार के लिए मजदूरी करके खेत संभालते थे। उनका भतीजा शिवम पढ़ाई करता था, लेकिन साथ ही खेती में भी हाथ बंटाता था। दोनों की मेहनत और सादगी पूरे गांव में जानी जाती थी। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। प्रशासन की ओर से आपदा राहत सहायता की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

तहसीलदार और पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मिलकर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। नित्येंद्र राजावत एएसआई देहात थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि देहात थाना क्षेत्र के गांव आमल्दा में चाचा भतीजा राजू यादव और शिवम यादव का शव खेत में मिला है। जो कि कल शाम को खेत पर गए थे, जिनका रातभर पता नहीं चला, सुबह दोनों का शव मिला। पुलिस की ओर से दोनों के शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया गया है और कार्रवाई की जा रही है।

8.92 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

श्योपुर। जिले में 31 जुलाई को 8.92 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 31 जुलाई को श्योपुर में 3.2, बडौदा में 16, कराहल में 17.4, विजयपुर में 4, वीरपुर में 4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष 01 जून से अभी तक जिले में कुल 1059.82 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक 458.48 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत की वर्षा 822 मिली मीटर है।

शमशान घाट पर नहीं लगा था टीनशेड, तिरपाल तानकार किया अंतिम संस्कार

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 31 जुलाई। श्योपुर जिले में विजयपुर जनपद के ग्राम बिचपुरी में बरसाती तानकर अंतिम संस्कार किया गया है। घटना एक दिन पहले मंगलवार की है। इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी महिला प्रेम कुशवाहा (45 वर्ष) का मंगलवार को निधन हो गया। परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार गांव के पारंपरिक श्मशान घाट पर किया। श्मशान पर टीनशेड जैसी बुनियादी सुविधा न होने के कारण, परिजनों को बारिश के बीच प्लास्टिक की त्रिपाल तानकर अंतिम संस्कार करना पड़ा। गुरुवार को सामने आए वीडियो में परिजन भीगे हुए कपड़ों में अंतिम संस्कार करते दिख रहे हैं। चारों ओर कीचड़ और बारिश के बीच जलती चिता पर त्रिपाल पकड़े लोगों की तस्वीरें ग्रामीण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं।

श्मशान घाट पर टीनशेड की मांग

स्थानीय ग्रामीण अमन शरमा, राजीव यादव, रामेश्वर बैरवा, अजित सिंह, सूरज शुक्ला का कहना है कि गांव में वर्षों से श्मशान घाट पर शेड की मांग की जा रही है। लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। बरसात के मौसम में इस तरह की स्थिति से हर साल कई परिवारों को जूझना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के श्मशान घाट पर जल्द से जल्द टीनशेड सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे भविष्य में किसी और परिवार को इस तरह की तकलीफ न उठानी पड़े। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में मूलभूत ढांचे की अनदेखी को उजागर करती है। जहां अंतिम विदाई भी सम्मानपूर्वक देना संघर्ष बन गया है।

जांच में अवमानक मिला दूध, 10 हजार का जुर्माना

श्योपुर। न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अतेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियमों के तहत अवमानक खाद्य पदार्थ का संग्रहण एवं विक्रय करने का आरोप प्रमाणित होने पर ग्राम मकडावदा निवासी जयराम गुर्जर पर 10 हजार रूपये का जुर्माना किया गया है। इस मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश कुमार लोधी द्वारा 18 फरवरी 2024 को सुबह 9.30 बजे निरीक्षण के दौरान बडौदा के इंद्रपुरा तिराहे के पास दूध विक्रेता जयराम गुर्जर से दूध का नमूना लिया गया था, नमूने खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को जांच के लिए भेजे गये थे। जांच रिपोर्ट में उक्त दूध का नमूना अवमानक स्तर का पाया गया, इस मामले में उक्त दूध विक्रेता पर अधिनियम की धारा 51 के तहत 10 हजार रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है।

पानडी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, कलेक्टर ने दिए निर्देश

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 31 जुलाई। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग, एविटास फाउंडेशन तथा डिज़ास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट भोपाल के संयुक्त सहयोग से श्योपुर जिले की ग्राम पंचायत पानडी में विशेष राहत एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं एवं आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

शिविर में ग्राम पंचायत पानडी के निवासियों के साथ-साथ आसपास के बाढ़ प्रभावित गांव झोपड़ी और जलालपुरा के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार दवाइयाँ और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाढ़ प्रभावित लोगों तक शीघ्र स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, मौसमी बीमारियों की समय रहते पहचान करना और ग्रामीणों को बीमारी से बचाव एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर के दौरान समुदाय को मलेरिया, डेंगू और अन्य मौसमी बीमारियों के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया गया। ग्रामीणों को स्पष्ट रूप से समझाया गया कि यदि किसी को बुखार, सिरदर्द या बदन दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क करें और समय पर उपचार प्राप्त करें। एविटास फाउंडेशन के कार्यक्रम अधिकारी नीरज भार्गव ने उपस्थित समुदाय को व्यवहार परिवर्तन एवं रोग निवारण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए मच्छरदानी के नियमित उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देने और सफाई बनाए रखने की आदत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने बरसात के मौसम में सांप और जहरीले कीड़ों से बचाव के लिए जूते पहनकर चलने की आदत अपनाने तथा खेतों या बाहर रात में जाते समय टॉर्च, लाठी और जूते का उपयोग करने की सलाह दी।

11 स्थानों पर राहत शिविर, 940 लोगों को दी जा रही सुविधा

कलेक्टर ने दिये राहत शिविरों के भ्रमण के निर्देश

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 31 जुलाई। कलेक्टर अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जिले में पिछले तीन दिनों में हुई अतिवर्षा सहित नदियों के जलस्तर बढने पर प्रभावित ग्रामों से 940 व्यक्तियों को रेस्क्यू कर उन्हें 11 राहत शिविरों में रखा गया है। जहां उनके भोजन, पानी एवं रहने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा अतिवर्षा एवं बाढ से प्रभावित ग्रामों में हुए नुकसान का आंकलन करने के संबंध में राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

अपर कलेक्टर अतेंद्र सिंह गुर्जर सहित एसडीएम एवं तहसीलदार इन शिविरों का निरंतर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार कराहल विकासखण्ड के सेसईपुरा हायर सैकेण्डरी स्कूल में बनाये गये राहत कैम्प में कूनो नदी किनारे के रेशम कॉलोनी गांव से 150 लोगों को रेस्क्यू कर लाया गया है। वीरपुर तहसील के बडेरे ग्राम स्थित स्कूल में संचालित राहत शिविर में 40 लोगों को रखा गया है। इसी प्रकार तहसील भवन बडौदा में संचालित राहत कैम्प में बडौदा कस्बे के विभिन्न वार्डो से रेस्क्यू किये गये 100 लोगों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। ग्राम पानडी के पंचायत भवन में संचालित राहत शिविर में झोपडी ग्राम के 500 लोगों को रखा गया है। सूंडी गांव के 40 व्यक्तियों के लिए अडवाड पंचायत में राहत कैम्प लगाया गया है। इसके साथ ही श्योपुर शहर में 6 स्थानों श्रीराम धर्मशाला, नगरपालिका मैरिज गार्डन, ऑडीटोरियम, कृष्णा पैलेस, वृंदावन गार्डन एवं हिन्दु धर्मशाला में राहत शिविर संचालित है, जिनमें 110 लोगों को रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार गत दिवस अपर कलेक्टर अतेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा ग्राम दांतरदा, अडवाड, सामरसा ग्रामों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया। इसी प्रकार सेसईपुरा स्थित राहत कैम्प में तहसीलदार कराहल सुश्री रोशनी शेख एवं सीईओ जनपद श्री राकेश शर्मा के नेतृत्व में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है।

फिलहाल पार्वती एवं चंबल नदियों में जलस्तर कम हो गया है, अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार चंबल नदी का जलस्तर 194.66 मीटर है, जो खतरे के निशान से 5 मीटर नीचे है। इसी प्रकार खातौली नदी का जलस्तर भी 198.420 मीटर है, खातौली स्थित पार्वती पुल का पानी उतरने से श्योपुर-कोटा मार्ग फिर से शुरू हो गया है। तहसीलदार मनीषा मिश्रा ने बताया कि बडौदा कस्बे में जलभराव की स्थिति अब नही है, बस स्टैण्ड, अस्पताल, थाना क्षेत्र आदि में अब जलभराव की स्थिति नही है, बडौदा कस्बे में आवागमन सुचारू हो गया है, इसी प्रकार श्योपुर शहर से सटकर बहने वाली सीप नदी का जलस्तर भी कम हुआ है।

परिजनों को दी 5-5 हजार रूपये की अत्येष्टि सहायता

श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार श्योपुर क्षेत्र के ग्राम आमल्दा में पार्वती नदी की बाढ में फसने से हुई मृत्यु के मामले में ग्राम पंचायत के माध्यम से परिजनों को तात्कालीक रूप से 5-5 हजार रूपये की अत्येष्टि सहायता उपलब्ध कराई गई है। पंचायत सचिव द्वारा मृतक परिजनों को घर जाकर सहायता राशि प्रदान की गई। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा दिये गये निर्देशो के क्रम में मृतक के परिजनों को आरबीसी 6-4 के तहत 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि दी।

बीआरसी कार्यालय स्टाफ ने सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी

विजयपुर। अशोक शर्मा विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, अनिल वंसल बीएसी, श्री करन बरेलिया बीएसी, मनोज शर्मा बीएसी सत्यनारायण शर्मा सीएसी, राजेश शुक्ला सीएसी, जसराम धाकड़ प्रधानाध्यापक कीजरी जगदीश शर्मा शिक्षक ईटवई, नरोत्तम धाकड़,, उपस्थित रहे, सभी ने माल्यार्पण कर बधाईयां दी।

तमाशबीन बनी नगर परिषद - तीसरे दिन भी उबलता जनाक्रोश, भूख हड़ताल की चेतावनी

विजयपुर। विजयपुर नगर परिषद की निष्क्रियता और उपेक्षा से त्रस्त जनता ने अब आर-पार की लड़ाई का बिगुल बजा दिया है। विजयपुर के वार्ड क्रमांक 15 में बुनियादी सुविधाओं की घोर कमी के खिलाफ शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना अब उग्र रूप लेता जा रहा है। तीसरे दिन भी धरना जारी रहा, जहां महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे सड़कों पर उतर आए। गूंगी-बहरी प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ जनसैलाब फट पड़ा है लेकिन नगर परिषद अब तक तमाशबीन बनी हुई है। जिस वार्ड से वोट तो लिए जाते हैं, टैक्स वसूला जाता है, कचरा वाहन भेजा जाता है वहीं जब सुविधाएं देने की बारी आती है तो उसे नगर सीमा के बाहर बता कर पल्ला झाड़ लिया जाता है। जनता इसे लोकतंत्र के नाम पर एक क्रूर मज़ाक बता रही है। विकास' बना वादा, सुविधाएं बनीं सपना वार्ड 15 आज भी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है। न पेयजल, न पक्की सड़क, न नालियां, न सफाई। गंदगी और बदबू ने जीवन दूभर कर दिया है, बीमारियां फैलने का ख़तरा मंडरा रहा है। महिलाएं रोज़ दूर-दराज़ से पानी ढोने को मजबूर हैं। टूटी सड़कों पर रोज़ाना हादसे हो रहे हैं। लेकिन नगर परिषद के पास न जवाब है, न समाधान। धरना प्रदर्शन के तीन दिन बीतने के बाद भी एक भी प्रशासनिक अधिकारी ने आंदोलनकारियों से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई।

दतिया

शैक्षणिक योजना तैयार न करने पर होगी कार्यवाही : सिंह

नवभारत न्यूज
दतिया,31जुलाई। दतिया जिले में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत शासन स्तर से संचालित विभिन्न योजनाओं के विधिवत् क्रियान्वयन करने एवं विभाग अंतर्गत लंबित प्रकरणों का समयावधि में निराकरण सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ग्वालियर अरविन्द सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक रावतपुरा कॉलेज जिला दतिया में आयोजित की गई। बैठक में संभाग स्तर पर जिले की ओ.आई.सी. श्रीमती गौरी तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी यू.एन. मिश्रा, जिला परियोजना समन्वयक राजेश शुक्ला सहित समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त बीआरसीसी, समस्त संकुल प्राचार्य एवं समस्त हाई0/हा0से0 शालाओं के प्राचार्य उपस्थित थे।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं प्राचार्यों से निर्धारित एजेण्डा अनुसार प्रत्येक बिन्दु पर वन टू वन चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से लंबित सी.एम. हैल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण, सेवानिवृत्त लोकसेवकों के स्वत्वों के भुगतान, छात्रवृत्ति/पाठ्यपुस्तक एवं नि:शुल्क साईकिल वितरण की समीक्षा की गई बैठक की शुरूआत हाईस्कूल/हा0से0 परीक्षा वर्ष 2025 के विद्यालयवार परीक्षा परिणाम पर चर्चा से हुई जिसमें उत्कृष्ट विद्यालयों एवं सीएमराईज की शालाओ का अपेक्षित परीक्षा परिणाम प्राप्त न होने पर संबंधित प्राचार्यो को पृथक से निर्देशित किया गया। साथ ही सभी प्राचार्यो को शैक्षणिक सत्र 2025-26 में परिक्षा परिणाम में वृद्धि के लिए प्राथमिकता के आधार पर शालावार कार्य योजना तैयार करने के दिशा निर्देश प्रदान किये गये। श्री अरिवन्द्र सिंह जी संयुक्त संचालक महोदय द्वारा इस संबंध में प्राचार्यो को आगामी 07 दिवस में विस्तृत कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये साथ ही उक्त कार्य योजना के आधार पर आगामी शैक्षणिक सत्र में अध्ययन एवं अध्यापन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। एक पेड मां के नाम की समीक्षा हेतु विकास शुक्ला योजना अधिकारी द्वारा विस्तृत जानकारी प्रस्तुत गई। संयुक्त संचालक शिक्षा द्वारा सांदीपनी विधालय एवं उत्कृष्ट विधालय की समीक्षा करते हुए कहा गया कि इन शालाओं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की अपेक्षा की जाती है। इन शालाओं के लिए शासन द्वारा मूलभूत संसाधन उपलब्ध कराये गये है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचे

दतिया। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को दतिया जिले के बाढ़ प्रभावित ग्राम कोटरा सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने गांव में जाकर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं।' डॉ. मिश्रा ने बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कोटरा सहित कई गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बाढ़ में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की और आवश्यक राहत सामग्री जैसे भोजन, स्वच्छ जल एवं दवाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन पूरी तत्परता से राहत कार्यों में जुटे हुए हैं और प्रभावितों को हर संभव सहायता दी जा रही है। गांव-गांव में जरूरतमंदों को सूखा राशन, पीने का पानी, कपड़े और प्राथमिक चिकित्सा पहुंचाई जा रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी से आग्रह करूंगा कि दतिया जिले के बाढ़ पीड़ितों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए और पुनर्वास की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रशासन को भी निर्देश दिए कि राहत एवं बचाव कार्यों में कोई कोताही न बरती जाए और हर पीड़ित तक सहायता तुरंत पहुंचे।

मेडियेशन जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

दतिया। जिला विधिक सहायता दतिया द्वारा कुटुम्ब न्यायालय दतिया में मीडियेशन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दतिया अशोक गुप्ता, शासकीय अभिभाषक संजय सरवरिया, अभिभाषक, सलीम खान, अभिभाषक पंकज श्रीवास्तव सहित न्यालयीन कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में पक्षकारगण उपस्थित रहे। न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री अशोक गुप्ता द्वारा मीडियेशन के महत्व एवं समझौते के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण से होने वाले लाभ, पक्षकारों के विधिक अधिकारों आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने सुलहवार्ता के महत्व को समझाते हुए सुलह समझौते एवं राजीनाम पर जोर दिया।

रक्षाबंधन पर 500 बहनों को विशेष उपहार

राज कम्प्यूटर पर मिलेगा 15 दिवसीय नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज
दतिया, 31 जुलाई। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर 500 बहनों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए राज कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, भांडेर द्वारा 15 दिवसीय नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण की घोषणा की गई है। यह विशेष प्रशिक्षण शिविर 1 अगस्त से 15 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन चलेगा, जिसमें केवल 500 बहनों को शामिल किया जाएगा। राज कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, जो कि बीएसएनएल ऑफिस के पास, भांडेर स्थित है, ने इस योजना को रक्षाबंधन पर बहनों को एक सशक्त उपहार के रूप में पेश किया है। प्रशिक्षण केन्द्र की संचालिका राजकुमारी रजक एवं शिक्षक सुमित सिंह तोमर ने बताया कि आज के डिजिटल युग में हर बहन को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ना बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह निशुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मूलभूत कंप्यूटर ज्ञान, एमएस ऑफिस, इंटरनेट संचालन, ऑनलाइन कार्य, और अन्य आवश्यक डिजिटल कौशल सिखाए जाएंगे, जिससे बहनें आगे चलकर खुद के रोजगार या पढ़ाई में इसका लाभ उठा सकें। राजकुमारी रजक ने सभी पात्र बहनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस प्रशिक्षण में भाग लें और इसका लाभ उठाएं। यह पहल निश्चित ही महिलाओं को डिजिटल सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम साबित होगी। यह पहल रक्षाबंधन पर बहनों को एक विशेष और उपयोगी तोहफा है, जो उन्हें भविष्य में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरित करेगा।

हुनरमंद युवा ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है : निहारिका मीना

नवभारत न्यूज
दतिया,31जुलाई। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कौशल युवा दिवस एवं स्वशच्छतता पखबाडे के तहत 15 से 31 जुलाई तक जन शिक्षण संस्थान में पोस्टपर मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, वेस्ट मटेरियल से साज- सज्जाट का समान बनाना प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, साड़ी एवं हेयर स्टाइल प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, ग्रीन क्लीसन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथिगणों के द्वारा माँ सरस्वती कीप्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। सभी प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रशिक्षाथियों को पुरूस्कावर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

जिसमें मुख्य अतिथि जन संपर्क अधिकारी निहारिका मीना एवं विशिष्ट् अतिथि महिला थाना प्रभारी दतिया मोनिका मिश्रा एवं श्रीमति नीतू तिवारी एन.आर. एल.एम कार्यक्रम की अध्य्क्षता एक्जीतक्यूीटिव इंजीनियर सिंचाई विभाग मोहित जैन, उपस्थित रहे। उपस्थित सभी अतिथिगणो का बैच लगाकर स्वारगत किया गया। संस्थाकन की निदेशक निधि तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वौगत करते हुये बताया कि जन शिक्षण संस्थान का उददेश्यम समाज के अंतिम पयदान पर खडे व्य्क्ति तक कौशल और शिक्षा पहुचाना है अध्यक्षता कर रहे श्री जैन ने कहा कि यह संस्थारन समाज में साकारात्म क परिवर्तन लानेका सशक्तं माध्य म बन चुका है। कार्यक्रम का संचालन नीरज कुशवाह के द्वारा हआ। अंत में सभी अतिथियों को स्मैृति चिन्हक भेटकर उनका आभार व्यकत किया। कार्यक्रम के दौरान जैसे ब्यूसटी केयर अस्सिटेन्टर, दर्जी, कम्यूति टर, हैण्ड एम्ब्रा यडी आदि के उपस्थित प्रशिक्षार्थ्यिों को विभिन्नह प्रतियोगिताओं में उत्क़कट प्रदर्शन करने बाले को प्रमाण पत्र एवं स्मृडति चिन्ह् प्रदान किये गयो इस कार्यक्रम में संस्थायन की सभी अनुदेशिका और समस्त स्टावफउपस्थित रहा।

सरस्वती विद्या मंदिर में बहनों का सखी रे झूला झूलों कार्यक्रम का आयोजन

दतिया। पर्यावरण पखवाड़े के अन्तर्गत सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरतगढ़ दतिया में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन लक्ष्मण जी के मंदिर पर प्राकृतिक वातावरण में किया गया जिसमें भैया/बहिनों ने उत्साह से भाग लिया कार्यक्रम में विद्यालय की इकाई प्रमुख श्रीमती कामिनी तोमर ने भैया/बहिनों को पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन एवं इसके दुष्प्रभाव से सभी भैया/बहिनों को अवगत करवाया। उन्होने एक पेड़ अवश्य लगाने एवं पॉलीथिन का उपयोग कम से कम करने का आग्रह किया। साथ ही बालिका शिक्षा के अंतर्गत हरियाली तीज के अवसर पर बहनों का सखी रे झूला झूलों कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसमें सभी बहनों ने मिलजुल कर भागीदारी की तथा कार्यक्रम को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ बहनों एवं दीदियों के द्वारा मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की काउंसलर गौरा दुबे, सरिता शर्मा, सुनीता श्रीवास्तव, आभा रायकवार, वेदिका तिवारी, कु.शालू बैस, शिशु वाटिका प्रमुख सरिता खरे, सुनीता पटेल, एकता पुरोहित, सुमन भटनागर, निधि दुबे, अंजलि सेन, दीदी उपस्थित रहीं। पौधारोपण कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य राम गोपाल शर्मा सुरेश यादव, नरेश गोदानिया उपस्थित रहे।